दे विकारो का दान अपना ग्रहण उतारो
तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जाओ
हीरा जन्म मिला इसको सम्भालो
जितना तंदुरुस्त रहेंगे ज्ञान सुनेंगे
जितना जियेंगे उतनी कमाई करेंगे
हिसाब-किताब भी चुक्तू होते जायेंगे
अव्यभिचारी याद से करना देह-भान ख़त्म
पुरुषार्थ कर बनना कर्मातीत
5 विकारो को दान देना
राहु के ग्रहण से मुक्त होना
माया नमस्कार करे वार नही
कैसा भी विकराल रूप ले वो,बनना साक्षी
खिलाड़ी हो देखना,जो हो हद का ड्रामा
स्नेह का सागर बनो
क्रोध को समीप न आने दो

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!